पाठ 3: साना-साना हाथ जोड़ि

📖 पाठ का सार (Summary)

मधु कांकरिया द्वारा रचित यह एक यात्रा-वृत्तांत (Travelogue) है। लेखिका ने सिक्किम (गंगटोक से लेकर यूमथांग और कटाओ तक) की अपनी हिमालय यात्रा का अत्यंत सुंदर और आध्यात्मिक वर्णन किया है। इस पाठ में हिमालय की बदलती प्राकृतिक सुंदरता, तीस्ता नदी के सौंदर्य, बर्फ़ से ढके पहाड़ों (कटाओ) का वर्णन है। साथ ही, लेखिका ने पहाड़ी महिलाओं और बच्चों के कठोर परिश्रम (रास्ते बनाना, पत्थर तोड़ना) को भी दर्शाया है और यह विचार प्रस्तुत किया है कि प्रकृति की सुंदरता के पीछे आम जनजीवन का बहुत बड़ा संघर्ष और 'कमी' (आम जनता को कम मिलता है और वे समाज को बहुत कुछ वापस देते हैं) छिपी हुई है। 'साना-साना हाथ जोड़ि' एक नेपाली प्रार्थना है जिसका अर्थ है - "मैं छोटे-छोटे हाथ जोड़कर प्रार्थना करती हूँ कि मेरा सारा जीवन अच्छाइयों को समर्पित हो।"

प्रश्न 1: झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक (गंगटोक) लेखिका को किस तरह सम्मोहित कर रहा था?

रात के समय झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक शहर लेखिका को जादू के समान सम्मोहित कर रहा था। आसमान में तारे ऐसे लग रहे थे मानो सारे तारे नीचे बिखर गए हों और ढलान लेते हुए शहर पर टिमटिमा रहे हों। वह रहस्यमयी और तारों भरी रात लेखिका के अंदर ऐसा जादुई प्रभाव डाल रही थी कि उसकी सारी भौतिक सोच शून्यता में बदल गई। वह उस अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य में खो गई और उसके होंठों से प्रार्थना के स्वर अपने आप फूट पड़े।

प्रश्न 2: गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया है?

गंतोक (गंगटोक) एक पहाड़ी शहर है जहाँ का जीवन अत्यंत कठिन है। यहाँ के लोगों (पुरुषों, महिलाओं और बच्चों) को अपनी आजीविका और जीवन की सुख-सुविधाओं के लिए पहाड़ों से बहुत संघर्ष करना पड़ता है। यहाँ की औरतें पीठ पर बच्चे बाँधकर पत्थर तोड़ती हैं और रास्ते बनाती हैं। इतनी कठोर मेहनत के बावजूद यहाँ के लोग अपनी स्थिति पर रोते नहीं हैं, बल्कि वे बादशाहों (राजाओं) की तरह मग्न, प्रसन्न और आत्मसंतुष्ट रहते हैं। उनकी इसी कठोर मेहनत और शान्तिपूर्ण जीवन के कारण गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' कहा गया है।

प्रश्न 3: सैलानियों को प्रकृति की अलौकिक छटा का अनुभव करवाने में किन-किन लोगों का योगदान होता है?

सैलानियों (Tourists) को प्रकृति की अलौकिक छटा का अनुभव करवाने में निम्नलिखित लोगों का अहम योगदान होता है:

1. **ट्रैवल एजेंसी और गाइड:** जैसे लेखिका का गाइड 'जितेन नार्गे', जो पर्यटकों को सही जानकारी देता है, उनका मनोरंजन करता है और सुरक्षित स्थानों तक ले जाता है।

2. **पहाड़ी मज़दूर और महिलाएँ:** जो अपनी जान हथेली पर रखकर पहाड़ों को काटकर पक्की सड़कें और खतरनाक रास्ते बनाते हैं, ताकि पर्यटक आसानी से पहुँच सकें।

3. **स्थानीय निवासी:** जो पर्यटकों के लिए भोजन, होटल, और अन्य आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराते हैं और उनके साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करते हैं।

Schorbit